|ईमेल : nitingadkari@email.com |www.nitingadkari.org |

नितिन गडकरी
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी

नवम्बर 23, 2011

मा. डॉ. मनमोहन सिंग जी.

आपको ज्ञात होगा ही कि वर्ष 2010–11 में कपास का भारी उत्पादन हुआ है। लेकिन कपास उत्पादक किसानों को इसका लाभ मिलने के बजाय नुकसान उठाना पड़ रहा है। कपास उत्पादकों को इसका न्यूनतम समर्थन मूल्य निश्चित करते समय इसके लागत मूल्य के अनुसार दाम देने की मांग होने के बाद भी केन्द्र सरकार द्वारा की जा रही उपेक्षा से कपास उत्पादक पहले ही परेशान हैं। केन्द्र सरकार ने देश में उपलब्ध कपास गांठों की तुलना में केवल 55 लाख गांठों के निर्यात की अनुमति दी और उस पर भी समय सीमा का बंधन डालने से कपास निर्यात का लाभ नहीं हो पाया है।

महाराष्ट्र में सबसे अधिक कपास का उत्पादन किया जाता है। इसकी कृषि योग्य भूमि के करीब 30 प्रतिशत भूमि पर कपास उत्पादन होता है। इसमें भी विदर्भ में कपास प्रमुख उत्पाद है। महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा एकाधिकार परियोजना के द्वारा किसानों को अधिक मूल्य देने की नीति त्यागने से विदर्भ का कपास उत्पादक किसान खुद को फंसा हुआ महसूस कर रहा है। उसकी स्थिति दयनीय हो रही है जिससे वह आत्महत्या करने को मजबूर है। महाराष्ट्र के साथ ही आंध्र प्रदेश के कपास उत्पादक किसान भी आत्महत्या करने पर मजबूर हो रहे हैं। अब किसानों के कपास की खरीद निजी व्यापारियों द्वारा करने से किसानों को बहुत कम दाम मिल रहा है। कपास उत्पादन संबंधी उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस वर्ष भारत में 350 लाख कपास गांठ का उत्पादन होने का अनुमान है। भारत में 250 लाख गांठ की बिक्री होगी। इससे 100 लाख गांठ तथा पिछले वर्ष की बची हुई 40 लाख गांठ यानि कुल 140 गांठों का बचना सुनिश्चित है। इनका उपयोग नहीं होने से कपास के दाम लगातार घट रहे हैं।

|दिल्ली| भाजपा केन्द्रीय कार्यालय 11, अशोक रोड, नई दिल्ली-110 001. फोन : +91-11-2300 5700 फैक्स : +91-11-2300 5787
|मुम्बई |1201-ए, बारहवीं मॉंजल, सुखदा को-ऑप. हाऊ. सो., सर पोखरानवाला मार्ग, वरली मुम्बई 400 030. टेलीफैक्स : +91-22-2497 0287, 2497 1892
|नागपुर| गडकरी वाडा, उपाध्याय रोड, महाल, नागपुर 440 002. टेलीफैक्स : +91-712-272 7127, 272 7145

|ईमेल : nitingadkari@email.com |www.nitingadkari.org |

नितिन गडकरी
राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी

कपास की खेती में लागत लगातार बढ़ रही है। आज किसान को प्रति एकड़ 19,000 रुपए से भी ज्यादा की लागत पड़ रही है। जबकि सरकार प्रति क्विंटल 3300 रुपए का न्यूनतम समर्थन मूल्य दे रही है। लागत और बिक्री मूल्य के इस घाटे को पूरा करना किसानों के लिए असंभव है।

अधिक उत्पादन होने के कारण विदेशी बाजार में कपास की गांठों का निर्यात कर किसानों को अधिक फायदा पहुंचाने का सुअवसर सरकार के पास उपलब्ध है।

अतः मेरी मांग है कि कपास उत्पादक किसानों को राहत दिलाने के लिए सरकार तुरंत कपास का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाकर कम से कम 6500 रुपए करे और किसानों के हितों की रक्षा हेतु आयात शुल्क में बढ़ोत्तरी करने सम्बन्धी कार्रवाई तत्काल की जाए।

आशा है है कि इस पृष्ठभूमि में कपास उत्पादक किसानों को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में बढ़ रहे दामों और मूल्यवृद्धि का लाभ दिलाने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दें तथा सम्बन्धित कार्रवाई के बारे में अवगत कराने का कष्ट करें।

धन्यवाद!

आपका

नितिन गडकरी

डॉ. मनमोहन सिंह
प्रधानमंत्री
भारत सरकार
नई दिल्ली

|दिल्ली| भाजपा केन्द्रीय कार्यालय 11, अशोक रोड, नई दिल्ली-110 001. फोन : +91-11-2300 5700 फैक्स : +91-11-2300 5787
|मुम्बई |1201-ए, बारहवीं मॉजल, सुखदा को-ऑप. हाऊ. सो., सर पोखरानवाला मार्ग, वरली मुम्बई 400 030. टेलीफैक्स : +91-22-2497 0287, 2497 1892
|नागपुर| गडकरी वाडा, उपाध्याय रोड, महाल, नागपुर 440 002. टेलीफैक्स : +91-712-272 7127, 272 7145